

文

白

对照珍本

四书五经精华

陈襄民

管曜光

主编

中州古籍出版社

四书五经精华

(上)

陈襄民 管曙光主编

中州古籍出版社

前　言

“四书”是《大学》、《中庸》、《论语》、《孟子》四部儒家经典的合称；“五经”则是《易经》、《尚书》、《诗经》、《礼记》、《春秋左传》五部儒家经典的合称。

“五经”之名始于汉武帝之时，这套“经书”大概就是这时编定的。南宋光宗绍熙元年，即公元 1190 年，理学大师朱熹为构筑他的理学思想体系，在福建漳州将《大学》、《中庸》、《论语》、《孟子》编辑在一起，作为一套“经书”刊行于世，遂有“四书”之名。“四书”问世之后，就和“五经”并列起来，被通称为“四书五经”。

“四书五经”在中国传统社会是儒家施行其儒学、儒术教化的重要教科书，也是统治者御民治国的主要精神武器。它们在中国传统社会上层建筑领域长期居于统治地位，对中国人的民族生存方式（包括思维方式、行为方式、表情达意方式、生产劳动方式、休息娱乐方式、繁衍生息方式），民族心理素质，民族价值观念，民族审美观念等等，都产生了既广且深的影响，而且这种影响至今尚未完全消失。至于它们对中国社会的影响究竟是正面的，还是负面的，有切身体验的中国智者贤者自会作出自己的判断，得出自己的结论，无须在此赘述。

今天，古老的中国正在艰难地向社会现代化转化。在这个转化过程中，很有必要对本民族的传统文化和文化传统做一次甚至多次检讨和反省，以摆脱旧的东西的羁绊，去其糟粕，取其精华，创造新的未来。而要认识和反省中国的过去，“四书五经”是不可不读的。

“四书五经”卷帙浩繁，对一般读者来说，要想全部阅读，殊非易事，而且也没有必要。为此，我们选取了其中的精华部分予以注译，意在为广大读者提供一个浅近的“四书五经”读本。同时，为了有助于理解，在每篇之前做了简要的分析和提示。

由于时间仓促，加上水平有限，疏漏乃至谬误自知不免，还望读者不吝赐教，以匡其不逮。

目 录

前言

《大学》精华

| | | |
|----|-------|-----|
| 大学 | | (3) |
|----|-------|-----|

《中庸》精华

| | | |
|----|-------|------|
| 中庸 | | (11) |
|----|-------|------|

《论语》精华

| | | |
|-------|-------|------|
| 学而第一 | | (23) |
| 为政第二 | | (28) |
| 八佾第三 | | (32) |
| 里仁第四 | | (35) |
| 公冶长第五 | | (41) |
| 雍也第六 | | (46) |
| 述而第七 | | (52) |
| 泰伯第八 | | (57) |
| 子罕第九 | | (61) |
| 乡党第十 | | (66) |

| | | |
|--------|-------|-------|
| 先进第十一 | | (69) |
| 颜渊第十二 | | (74) |
| 子路第十三 | | (79) |
| 宪问第十四 | | (83) |
| 卫灵公第十五 | | (90) |
| 季氏第十六 | | (98) |
| 阳货第十七 | | (105) |
| 微子第十八 | | (110) |
| 子张第十九 | | (114) |
| 尧曰第二十 | | (120) |

《孟子》精华

| | | |
|------|-------|-------|
| 梁惠王上 | | (125) |
| 梁惠王下 | | (137) |
| 公孙丑上 | | (144) |
| 公孙丑下 | | (159) |
| 滕文公上 | | (165) |
| 滕文公下 | | (171) |
| 离娄上 | | (180) |
| 离娄下 | | (190) |
| 万章上 | | (197) |
| 万章下 | | (202) |
| 告子上 | | (206) |
| 告子下 | | (216) |
| 尽心上 | | (222) |
| 尽心下 | | (229) |

《易经》精华

| | |
|------|-------|
| 文言传 | (235) |
| 乾文言 | (235) |
| 坤文言 | (242) |
| 彖辞上传 | (245) |
| 乾卦 | (245) |
| 坤卦 | (246) |
| 屯卦 | (247) |
| 蒙卦 | (247) |
| 需卦 | (248) |
| 讼卦 | (249) |
| 师卦 | (250) |
| 比卦 | (250) |
| 小畜卦 | (251) |
| 履卦 | (252) |
| 泰卦 | (253) |
| 否卦 | (253) |
| 同人卦 | (254) |
| 大有卦 | (255) |
| 谦卦 | (256) |
| 豫卦 | (257) |
| 随卦 | (257) |
| 蛊卦 | (258) |
| 临卦 | (259) |
| 观卦 | (259) |
| 噬嗑卦 | (260) |
| 贲卦 | (261) |

| | |
|------|-------|
| 剥卦 | (262) |
| 复卦 | (262) |
| 无妄卦 | (263) |
| 大畜卦 | (264) |
| 颐卦 | (265) |
| 大过卦 | (265) |
| 坎卦 | (266) |
| 离卦 | (267) |
| 彖辞下传 | (268) |
| 咸卦 | (268) |
| 恒卦 | (269) |
| 遯卦 | (270) |
| 大壮卦 | (270) |
| 晋卦 | (271) |
| 明夷卦 | (271) |
| 家人卦 | (272) |
| 睽卦 | (273) |
| 蹇卦 | (274) |
| 解卦 | (275) |
| 损卦 | (276) |
| 益卦 | (276) |
| 夬卦 | (277) |
| 姤卦 | (278) |
| 萃卦 | (279) |
| 升卦 | (279) |
| 困卦 | (280) |
| 井卦 | (281) |
| 革卦 | (281) |

| | |
|------|-------|
| 鼎卦 | (282) |
| 震卦 | (283) |
| 艮卦 | (284) |
| 渐卦 | (284) |
| 归妹卦 | (285) |
| 丰卦 | (286) |
| 旅卦 | (287) |
| 巽卦 | (287) |
| 兑卦 | (288) |
| 涣卦 | (289) |
| 节卦 | (289) |
| 中孚卦 | (290) |
| 小过卦 | (291) |
| 既济卦 | (292) |
| 未济卦 | (293) |
| 系辞上传 | (294) |
| 系辞下传 | (316) |
| 说卦传 | (340) |
| 序卦传 | (353) |

《尚书》精华

| | |
|-----|-------|
| 大禹谟 | (363) |
| 皋陶谟 | (371) |
| 益稷 | (376) |
| 甘誓 | (383) |
| 汤誓 | (385) |
| 伊训 | (388) |

| | |
|-----|-------|
| 说命上 | (392) |
| 说命中 | (395) |
| 说命下 | (398) |
| 牧誓 | (401) |
| 洪范 | (404) |
| 旅獒 | (413) |
| 金影 | (416) |
| 康诰 | (421) |
| 无逸 | (430) |
| 周官 | (436) |
| 顾命 | (441) |
| 秦誓 | (449) |

《诗经》精华

国风

| | |
|------|-------|
| 关雎 | (455) |
| 卷耳 | (457) |
| 辖耽 | (458) |
| 汉广 | (460) |
| 行露 | (461) |
| 蓼有梅 | (463) |
| 江有汜 | (464) |
| 野有死麋 | (465) |
| 击鼓 | (467) |
| 谷风 | (469) |
| 北门 | (472) |
| 静女 | (474) |

| | |
|------|-------|
| 柏舟 | (475) |
| 墙有茨 | (476) |
| 桑中 | (478) |
| 载驰 | (479) |
| 硕人 | (482) |
| 氓 | (485) |
| 木瓜 | (489) |
| 黍离 | (490) |
| 君子于役 | (492) |
| 采葛 | (493) |
| 将仲子 | (495) |
| 大叔于田 | (497) |
| 女曰鸡鸣 | (499) |
| 漆沮 | (501) |
| 东方未明 | (503) |
| 载驱 | (504) |
| 陟岵 | (506) |
| 伐檀 | (507) |
| 硕鼠 | (509) |
| 绸缪 | (511) |
| 葛生 | (513) |
| 蒹葭 | (515) |
| 黄鸟 | (516) |
| 无衣 | (519) |
| 东门之臯 | (520) |
| 月出 | (522) |
| 背有箕箒 | (523) |
| 候人 | (525) |

| | |
|------|-------|
| 七月 | (526) |
| 东山 | (533) |
| 二雅 | |
| 采薇 | (537) |
| 出车 | (540) |
| 箇杜 | (544) |
| 采芑 | (546) |
| 鹤鸣 | (549) |
| 我行其野 | (551) |
| 节南山 | (552) |
| 十月之交 | (557) |
| 小弁 | (562) |
| 大东 | (567) |
| 北山 | (572) |
| 大田 | (574) |
| 宾之初筵 | (577) |
| 苕之华 | (582) |
| 大明 | (583) |
| 绵 | (588) |
| 生民 | (593) |
| 公刘 | (598) |
| 三颂 | |
| 载芟 | (604) |
| 桓 | (606) |
| 策宫 | (607) |
| 玄鸟 | (615) |

《礼记》精华

| | |
|------|-------|
| 曲礼上 | (621) |
| 檀弓上 | (623) |
| 檀弓下 | (630) |
| 王制 | (637) |
| 礼运 | (640) |
| 礼器 | (646) |
| 学记 | (648) |
| 乐记 | (657) |
| 杂记下 | (670) |
| 祭法 | (672) |
| 祭义 | (674) |
| 祭统 | (676) |
| 经解 | (678) |
| 哀公问 | (682) |
| 仲尼燕居 | (684) |
| 孔子闲居 | (686) |
| 坊记 | (687) |
| 表记 | (689) |
| 缁衣 | (694) |
| 三年间 | (701) |
| 儒行 | (702) |
| 冠义 | (709) |
| 昏义 | (710) |
| 射义 | (713) |
| 聘义 | (714) |

丧服四制 (717)

《春秋左传》精华

| | |
|---------|-------|
| 郑伯克段于鄢 | (721) |
| 卫石碏大义灭亲 | (726) |
| 郑庄公戒饬守臣 | (731) |
| 季梁谏追楚师 | (735) |
| 齐桓公霸业 | (739) |
| 曹刿论战 | (750) |
| 晋文公霸业 | (753) |
| 宫之奇谏假道 | (777) |
| 秦晋韩之战 | (782) |
| 司马子鱼论战 | (793) |
| 展喜犒师 | (796) |
| 城濮之战 | (799) |
| 烛之武退秦师 | (812) |
| 秦晋殽之战 | (815) |
| 楚商臣弑成王 | (823) |
| 子家与赵宣子书 | (826) |
| 大棘之战 | (830) |
| 晋灵公不君 | (833) |
| 陈夏姬之乱 | (838) |
| 晋楚邲之战 | (844) |
| 齐晋泓之战 | (863) |
| 楚归晋知䓨 | (874) |
| 吕相绝秦 | (877) |
| 晋楚鄢陵之战 | (882) |

| | |
|----------|--------|
| 祁奚举贤 | (894) |
| 魏绛谏伐戎 | (896) |
| 戏之盟 | (901) |
| 师旷论君 | (905) |
| 晋人齐平阴之战 | (908) |
| 祁奚请免叔向 | (914) |
| 叔孙豹论不朽 | (917) |
| 齐崔杼弑庄公 | (919) |
| 蔡声子论楚材晋用 | (925) |
| 季札观乐 | (931) |
| 郑子产为政 | (936) |
| 晏婴相齐 | (962) |
| 女叔齐论礼之本末 | (976) |
| 薳强谏耻晋 | (978) |
| 叔向诒子产书 | (982) |
| 伍子胥奔吴 | (986) |
| 鱣设诸刺吴王僚 | (994) |
| 吴楚柏举之战 | (997) |
| 子西论吴不患 | (1008) |
| 楚白公之乱 | (1011) |

《大学》精华

裴泽仁 注译

